

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	चर्चा में 'ग्राम पंचायत नायन'
2.	प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम)
3.	हिन्दुस्तान जिक का देबारी में AI हॉटस्पॉट मॉनिटरिंग सिस्टम
4.	राजस्थान स्टेट अंडर-23 पुरुष क्रिकेट चैंपियनशिप : 2025
5.	लिंग समानता सूचकांक (GPI) में राजस्थान
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. डॉ. रजनी वर्मा 2. न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा : राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य कार्यवाहक न्यायाधीश 3. राजस्थान के 2 खिलाड़ियों को 'दिव्यम क्रिकेट अवॉर्ड' 4. 'जापान पर्यटन एक्सपो आइची' में 'राजस्थान मंडप' का उद्घाटन 5. पंडित दीनदयाल शोध पीठ 6. भारतीय रेलवे में पाली के सकोरों (कुल्हड़) का इस्तेमाल 7. राजस्थान के 2 वैज्ञानिक विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल 8. वैद्य बनवारीलाल लाल गौड़ : धन्वन्तरि अवॉर्ड - 2025 से सम्मानित
7.	पहला एकीकृत न्यूरो पुनर्वास केंद्र : "प्रयास"
8.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह अभियान
9.	विकसित भारत रन-2025
10.	राष्ट्रीय जल सुरक्षा पहल
11.	माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर : उदयपुर (त्रिपुरा)
12.	भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (BIRC), 2025
13.	पहला सॉवरेन मोबिलिटी क्लाउड : UAE
14.	मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना : बिहार
15.	भारत की पहली राष्ट्रीय भूतापीय ऊर्जा नीति
16.	कन्नड़ लेखक डॉ. एस.एल. भैरप्पा
17.	राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार, 2025

--:1:--



राजस्थान परिदृश्य



चर्चा में 'ग्राम पंचायत नायन'



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, जयपुर जिला परिषद् की ग्राम पंचायत नायन (शाहपुरा) में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई (PWMU) की स्थापना की गई।



मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत स्थापित की गयी यह प्रथम इकाई है।
- उद्देश्य :** पंचायत समिति शाहपुरा के ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे का बेहतर प्रबंधन करना, प्रदूषण को कम करना और आमजन को इसके हानिकारक प्रभावों से निजात दिलाना।
- यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को मजबूत करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- इसी प्रकार की एक अन्य इकाई विराटनगर (जयपुर) में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (SBM-G)

- शुरुआत :** वर्ष 2014 में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में।
- मंत्रालय :** जल शक्ति मंत्रालय।
- कार्यान्वयन :** पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS), जल शक्ति मंत्रालय।

वित्त-पोषण पैटर्न:

- **60:40** - केंद्र और राज्यों के बीच सभी घटकों के लिए।
- **90:10** - पूर्वोत्तर राज्यों और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर।
- **अन्य केंद्र शासित प्रदेश** : शत-प्रतिशत हिस्सा केंद्र द्वारा वहन किया जाता है।
- **₹12,000 का प्रोत्साहन** : SBM के तहत व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण के लिए सभी BPL परिवारों और कुछ चिन्हित APL परिवारों (SC/ ST, दिव्यांगजन वाले परिवार, गृहस्थल वाले भूमिहीन श्रमिक, लघु व सीमांत किसान और महिला मुखिया वाले परिवारों) को यह राशि सहायता के रूप में देने का प्रावधान है।

SBM-G के उद्देश्य :

- **चरण-I (2014-2019)** : महात्मा गांधी की 150वीं जयंती (2 अक्टूबर, 2019) तक देश को खुले में शौच से मुक्त (ODF) बनाना। इसके लिए सभी ग्रामीण परिवारों को शौचालय की सुविधा प्रदान करने का कार्य किया जा रहा था।
- **चरण-II (2019-2025)** : शुरुआत - 2020 में।
- **उद्देश्य** : ग्रामीण क्षेत्रों में 'संपूर्ण स्वच्छता' सुनिश्चित करना।
- इसके तहत गांवों को ODF प्लस मॉडल के रूप में विकसित करने हेतु घरेलू शौचालयों और उचित अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का निर्माण किया जा रहा है। इसमें कोई भी गाँव/परिवार पीछे न छूटे इस सिद्धांत पर ध्यान दिया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

राजस्थान में स्थित समस्त राजकीय विश्वविद्यालयों द्वारा गोद लिए गए गाँवों की सूची:

क्रम	विश्वविद्यालय का नाम	गोद लिया गया गाँव
1.	महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर	पदमपुरा
2.	राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर	बंबोली
3.	महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर	कथैरा चौथ
4.	राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर	गढ़वाला

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



5.	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर	स्वरूपदेसर
6.	स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर	कावनी
7.	जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर	जयसिंहपुरा
8.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	टाटियावास
9.	राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर	बीलवा
10.	श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर (जयपुर)	सुंदरपुरा
11.	जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	सालावास
12.	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर	भटिंडा
13.	सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर	डाईकरा
14.	कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	खुडियाला
15.	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	कनवास
16.	वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा	धनेश्वर, बूँदी
17.	कोटा विश्वविद्यालय, कोटा	जमीतपुरा, बूँदी
18.	राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा	रायथल, बारों
19.	पं. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर	कोलीडा
20.	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर	कैलाशपुरी, उदयपुर
21.	महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	मदार और ब्राह्मणों की हुंदर, उदयपुर
22.	गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा	बोरतालाब, बांसवाड़ा

--:4:--

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्र एवं राज्य सरकार ने पीएम कुसुम के कम्पोनेंट-बी के तहत जयपुर के 5500 किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है।



--:5:--



मुख्य बिन्दु:

- इस योजना से प्रदेश के 1,70,000 से अधिक किसानों को खेती के लिए बिजली आपूर्ति की जा रही है।
- योजना के कम्पोनेंट-बी में राजस्थान शीर्ष तीन राज्यों में शामिल है।

पीएम कुसुम योजना :

- **शुरुआत** : मार्च, 2019
- **नोडल मंत्रालय** : नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।
- **उद्देश्य** : किसानों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा गैर-जीवाश्म आधारित स्रोतों से विद्युत शक्ति की स्थापित क्षमता की हिस्सेदारी को वर्ष 2030 तक 40 प्रतिशत तक बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करना।

योजना के तीन घटक (Components):

कम्पोनेन्ट-ए:

- 500 किलोवाट (kW) से 2 मेगावाट तक की क्षमता वाले व्यक्तिगत संयंत्रों की स्थापना के माध्यम से 10,000 मेगावाट सौर क्षमता की स्थापना करना।
- ट्रांसमिशन लाइनों की उच्च लागत और नुकसान से बचने के लिए सौर ऊर्जा संयंत्रों को अधिसूचित सब-स्टेशनों के पांच किलोमीटर के दायरे में स्थापित करना।
- उत्पादित विद्युत की खरीद स्थानीय डिस्कॉम (Distribution Company) द्वारा संबंधित राज्य विद्युत विनियामक आयोग (SERC) द्वारा निर्धारित पूर्व-निर्धारित टैरिफ पर की जाती है।
- **नोट** : राजस्थान में कम्पोनेन्ट-ए का कार्यान्वयन प्रारंभ में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL) द्वारा किया जा रहा था, जिसे 23 जुलाई, 2024 को राजस्थान सरकार के ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार राजस्थान डिस्कॉम्स को हस्तांतरित कर दिया गया।

कम्पोनेन्ट-बी:

- 20 लाख स्टैंडअलोन सौर ऊर्जा चालित कृषि पंपों की स्थापना करना।
- इस घटक के तहत 3 से 10 हॉर्सपावर (HP) तक के स्टैंडअलोन सौर ऊर्जा चालित कृषि पंपों की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जिसमें 7.5 हॉर्सपावर तक के पंपों के लिए अधिकतम अनुदान देय है।
- जिन किसानों के पास सिंचाई के लिए कृषि बिजली कनेक्शन नहीं है और जो डीजल आधारित पंप सेट पर निर्भर हैं, वे इस योजना के तहत सौर ऊर्जा पंप प्रणाली स्थापित करने के पात्र हैं।
- इस योजना के अन्तर्गत किसानों का हिस्सा 40 प्रतिशत है। शेष 60 प्रतिशत भारत सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा बराबर-बराबर 30-30 प्रतिशत दिया जाता है।
- 40 प्रतिशत में से किसान बैंक से 30 प्रतिशत तक ऋण ले सकता है और शेष 10 प्रतिशत किसानों को देना होगा।
- **नोट :** राजस्थान में कम्पोनेन्ट-बी का क्रियान्वयन उद्यानिकी विभाग के माध्यम से किया जा रहा है।

कम्पोनेन्ट-सी (फीडर लेवल सोलराइजेशन)

- नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 4 दिसम्बर, 2020 को पीएम-कुसुम योजना के घटक सी के तहत फीडर लेवल सोलराइजेशन के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए, जिसमें ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र की क्षमता को एक या एक से अधिक अलग-अलग कृषि फीडरों की वार्षिक बिजली आवश्यकता को पूरा करने के लिए कैपेक्स मोड या रेस्को मोड के माध्यम से स्थापित किया जा सकता है।
- मंत्रालय ने 4,00,000 पम्प सेटों का सोलराइजेशन करने का लक्ष्य स्वीकृत किया है।

हिन्दुस्तान जिंक का देबारी में AI हॉटस्पॉट मॉनिटरिंग सिस्टम

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने उत्पादन क्षमता और दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से उदयपुर के देबारी में 'AI हॉटस्पॉट मॉनिटरिंग सिस्टम' की स्थापना की।



मुख्य बिन्दु:

- यह सिस्टम इलेक्ट्रिकल उपकरणों की विश्वसनीयता और दक्षता को बेहतर बनाने में मदद करेगा।
- यह डिजिटल समाधान बिजली के उतार-चढ़ाव का रियल-टाइम पता लगाता है और वाट्सअप और ईमेल के जरिए अलर्ट भेजता है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) वेदांता समूह की एक कंपनी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक है और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 5 चांदी उत्पादकों में से एक है।
- स्थापना :** वर्ष 1966 में।
- मुख्यालय :** उदयपुर (राजस्थान)
- इस कंपनी ने वर्ष 2024 में इकोजेन (EcoZen) लॉन्च किया, जो एशिया का पहला 'लो कार्बन ग्रीन जिंक' ब्रांड है।
- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड वर्ष 2025 में 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स (ICMM)' में शामिल होने वाली पहली भारतीय कंपनी है।

राजस्थान स्टेट अंडर-23 पुरुष क्रिकेट चैंपियनशिप : 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, उदयपुर ने जयपुर को 155 रन से हराकर 'राजस्थान स्टेट अंडर-23 पुरुष क्रिकेट चैंपियनशिप : 2025' का खिताब जीता।



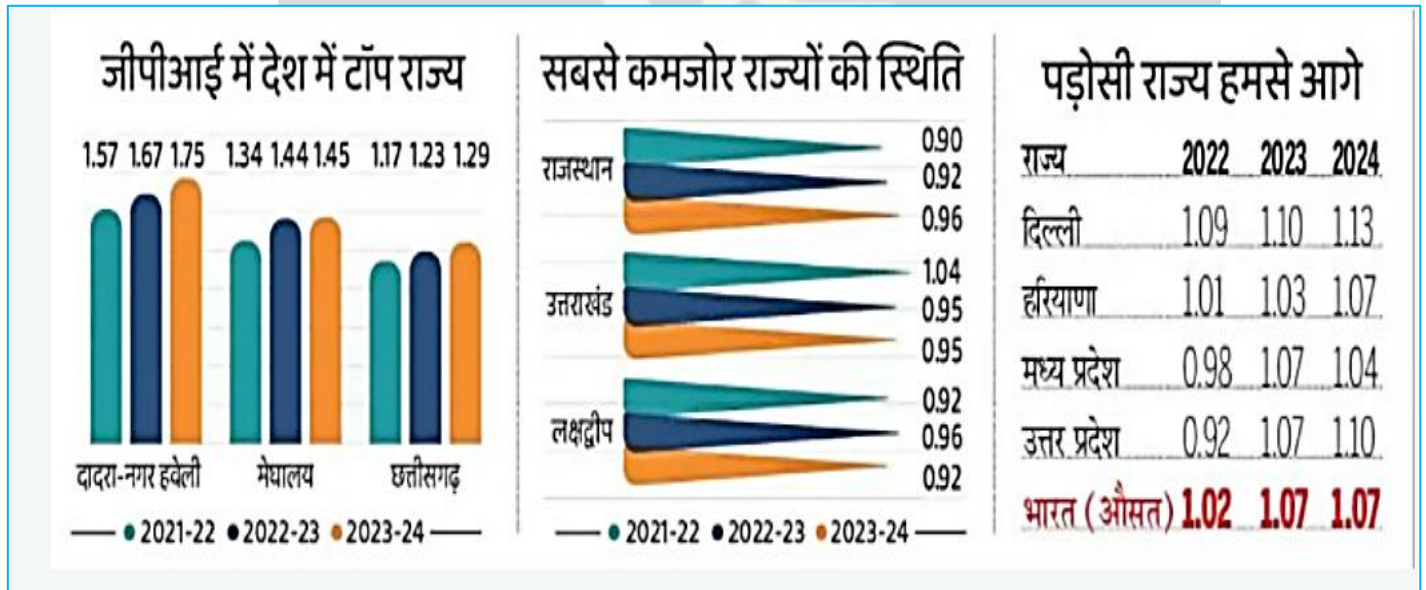
मुख्य बिन्दु:

- आयोजन : सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर।
- मैन ऑफ द मैच : पुष्पेन्द्र सिंह (उदयपुर)
- मैन ऑफ द सीरीज : रोहन राजभर (जयपुर)
- बेस्ट बैट्समैन : राज शर्मा (जयपुर)
- बेस्ट बॉलर : रितिक औदिच्य (उदयपुर)

लिंग समानता सूचकांक (GPI) में राजस्थान

चर्चा में क्यों?

- बालिकाओं की उच्च माध्यमिक शिक्षा की स्थिति के सन्दर्भ में केंद्र सरकार के लिंग समानता सूचकांक (GPI) के अनुसार राजस्थान उच्च शिक्षा में देश के सबसे कमजोर राज्यों में शामिल है।



मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में हायर सेकेंडरी स्तर पर 100 लड़कों के मुकाबले केवल 96 लड़कियां ही नामांकित हैं। देश का औसत GPI 2024-2023 में 1.07 रहा, जिससे राजस्थान राष्ट्रीय औसत से पीछे है।
- केवल उत्तराखंड (0.95) और लक्षद्वीप (0.92) ही राजस्थान से पीछे हैं।
- राजस्थान में प्रारंभिक कक्षाओं में लड़कियों की भागीदारी बेहतर है, जैसा कि 5वीं कक्षा तक GPI 1.03 दर्शाता है, यानी 100 लड़कों पर 100 से अधिक लड़कियाँ स्कूल में हैं।

--:10:--

राजस्थान का GPI डेटा:

वर्ष	नामांकन की स्थिति (1 का अर्थ है पूर्ण समानता)
2021-22	0.90
2022-23	0.92
2023-24	0.96

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएँ:

शैक्षिक विकास:

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना।

आर्थिक विकास:

- मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना।
- मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना।
- मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना।
- पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना।

सामाजिक कल्याण:

- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना।
- विधवा विवाह उपहार योजना।
- एल.पी.जी. सिलेण्डर सब्सिडी योजना।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना।

Daily Current Affairs



Date : 27 September, 2025



- किशोरी बालिका योजना।
- महिला विकास कार्यक्रम।
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना।
- लाडो प्रोत्साहन योजना।
- कालीबाई भील उड़ान योजना।
- 181 महिला हेल्पलाइन।
- महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं सुधार) से संरक्षण अधिनियम, 2013
- त्रि-स्तरीय महिला समाधान समिति।
- कालीबाई भील महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान।
- महिला सशक्तीकरण हेतु राज्य हब "मिशन शक्ति"
सामाजिक सुरक्षा:
- इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना।
- मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना।
- सम्भाग स्तरीय 'नारी निकेतन' / राज्य स्तरीय 'महिला सदन'।

--:12:--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>डॉ. रजनी वर्मा</p>  <ul style="list-style-type: none">■ सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज जयपुर के रेडियोलॉजिकल फिजिक्स विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रजनी वर्मा को ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाली 'वर्ल्ड कांग्रेस ऑन मेडिकल फिज़िक्स एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग' में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।■ आयोजन : 29 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2025
2.	<p>न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा : राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य कार्यवाहक न्यायाधीश</p>  <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 223 का प्रयोग करते हुए न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा को राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य कार्यवाहक न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया।■ न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा की नियुक्ति 27 सितंबर, 2025 को न्यायमूर्ति कलपति राजेंद्रन श्रीराम की सेवानिवृत्ति के बाद की गई।

3.

राजस्थान के 2 खिलाड़ियों को 'दिव्यम क्रिकेट अवॉर्ड'

- हाल ही में, डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (DCCI) द्वारा राजस्थान के 2 खिलाड़ियों को 'दिव्यम क्रिकेट अवॉर्ड' प्रदान किया गया।
- **आयोजन** : जयपुर।
- **विजेता** : सुरेन्द्र खोरवाल - बेस्ट इमर्जिंग प्लेयर।
- **पूर्व रणजी कप्तान रोहित झालानी** - लीडरशिप एवं मोटिवेशन अवॉर्ड।

4.

'जापान पर्यटन एक्सपो आइची' में 'राजस्थान मंडप' का उद्घाटन

- हाल ही में, राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार ने जापान के टोक्यो में आयोजित 'जापान पर्यटन एक्सपो आइची' में राजस्थान मंडप का उद्घाटन किया।

5.

पंडित दीनदयाल शोध पीठ



- पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती के अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य के विश्वविद्यालयों में 'पंडित दीनदयाल शोध पीठ' स्थापित किया जाने की घोषणा की।
- इस पीठ का उद्देश्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की दूरदर्शिता, विचारशीलता और भारतीय राजनीति को नई दिशा देने वाले दर्शन पर अनुसंधान करना होगा।

6.

भारतीय रेलवे में पाली के सकोरों (कुल्हड़) का इस्तेमाल

- हाल ही में, रेल मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव ने पाली में निर्मित सकोरों (मिट्टी के कुल्हड़) के भारत के सभी रेलवे स्टेशनों पर इस्तेमाल किए जाने की घोषणा की।



7.

राजस्थान के 2 वैज्ञानिक विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल



Swami Keshvanand Institute Of Technology,
Management & Gramothan, Jaipur



Congratulations!
On being Featured in the list of
"World's 2% Scientists"
For 2025



Dr. Pankaj Dadheech
Department of Computer
Science & Engineering



Ms. Priyanka Sharma
Department of Computer
Science & Engineering

A Study conducted by Stanford University, and published by Elsevier BV, a leading scientific publisher.

- हाल ही में, अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और नीदरलैंड्स की एल्सेवियर BV द्वारा विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची जारी की गई।
- इस सूची में जयपुर स्थित स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (SKIT) के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. पंकज दाधीच और असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंका शर्मा को शामिल किया गया।
- इन दोनों को यह सम्मान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इमेज प्रोसेसिंग के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

8.

वैद्य बनवारीलाल गौड़ : धन्वन्तरि अवॉर्ड - 2025 से सम्मानित

- हाल ही में, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान गोवा में आयोजित 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह में जयपुर के वैद्य बनवारीलाल गौड़ को धन्वन्तरि अवॉर्ड - 2025 से सम्मानित किया गया।
- उन्हें यह सम्मान आयुर्वेद शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान एवं लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रदान किया गया।
- राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित वैद्य बनवारीलाल गौड़ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विवि जोधपुर के पूर्व कुलपति व राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के पूर्व निदेशक रह चुके हैं।

SERVICES

राष्ट्रीय परिदृश्य

पहला एकीकृत न्यूरो पुनर्वास केंद्र : "प्रयास"

चर्चा में क्यों?

- 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA), गोवा में एक एकीकृत न्यूरो-पुनर्वास केंद्र "प्रयास" का अनावरण किया।



मुख्य बिन्दु:

- "प्रयास" देश के अपने तरह के पहले बहु-विषयक केंद्रों में से एक है। यह आयुर्वेद, फिजियोथेरेपी, योग, स्पीच थेरेपी, ऑक्स्यूपेशनल थेरेपी और आधुनिक बाल चिकित्सा को एक ही मंच पर लाता है।
- 'प्रयास' का शुभारंभ जटिल स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों का समाधान करने वाले अभिनव एकीकृत मॉडल को आगे बढ़ाने के एआईआईए के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह अभियान

सतर्कता
हमारी साझा जिम्मेदारी

18 अगस्त-17 नवम्बर 2025
सतर्कता जागरूकता अभियान

27 अक्टूबर-2 नवम्बर 2025
सतर्कता जागरूकता सप्ताह

ऑनलाइन सेमिनार में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश का नेतृत्व
अधिकारियों ने पारदर्शिता व सुधार पर विचार साझा किए
भ्रष्टाचार निवारण व सुशासन पर जोर



मुख्य बिन्दु:

- सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GEM) ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान एक विशेष अभियान शुरू किया है। जिसका शीर्षक " GEM की सुनें, सतर्क रहें, जिम्मेदार बनें" रखा गया।
- **उद्देश्य** : खरीदारों को सर्वोत्तम तौर-तरीकों को अपनाने, नियमों का पालन करने और जीईएम के अंतर्निहित सुरक्षा उपायों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- GEM स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों, बुनकरों और एफपीओ के लिए आठ समर्पित #VocalForLocal आउटलेट और क्यूरेटेड मार्केट पेजों के माध्यम से अवसरों का विस्तार भी कर रहा है।

--:18:-

विकसित भारत रन-2025



चर्चा में क्यों?

- वा मामले और खेल मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के सहयोग से, सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 2 अक्टूबर) के हिस्से के रूप में 91 देशों में 150 से अधिक स्थानों पर विकसित भारत रन-2025 का आयोजन कर रहा है।

The poster features the Indian national flag at the top left. In the center, it displays the logos of the Embassy of India, The Hague, The Netherlands, and the Ministry of Youth Affairs and Sports, Government of India. Below these, it says 'Join us for Viksit Bharat Run 2025'. The event details are: Sunday, 28 September 2025 at 11:00 hrs. Venue: Westbroek Park, Kapelweg 35, 2587 BK The Hague. Assembly Point: Near children's play area (https://shorturl.at/6EyBQ). To Register: https://shorturl.at/8NiuP. At the bottom, there is a large logo for 'VIKSIT BHARAT RUN' with a runner icon, and a portrait of Prime Minister Narendra Modi on the right. The slogan 'Let's run together for Service, Sustainability & Swachhta!' is written below the logo.

-:19:-

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



मुख्य बिन्दु:

- **टैगलाइन** : "रन टू सर्व द नेशन"
- **उद्देश्य** : विदेशों में रहने वाले भारतीयों, स्थानीय समुदायों, छात्रों, पेशेवरों और भारत के मित्रों को एक साथ लाना है, ताकि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि हो सके।
- विकसित भारत रन, विश्वभर के प्रतिष्ठित और सुगम स्थानों पर 3 से 5 किलोमीटर की सामुदायिक दौड़ के रूप में आयोजित किया जा रहा है। अधिकांश दौड़ें 28 सितंबर, 2025 को आयोजित होंगी।
- इस दौड़ में मैक्सिको सिटी के एंजेल ऑफ इंडिपेंडेंस, सूरीनाम के पारामारिबो में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, सैन फ्रांसिस्को में गोल्डन गेट ब्रिज और विश्वभर के कई अन्य प्रतिष्ठित स्थानों और प्रसिद्ध स्मारकों को शामिल किया जाएगा।
- विकसित भारत रन-2025 भारत की सबसे बड़ी वैश्विक आउटरीच पहलों में से एक बनकर उभर रहा है। यह न केवल एक फिटनेस और सामुदायिक गतिविधि है, बल्कि भारत के सेवा भाव, स्थिरता और समावेशिता के मूल्यों का एक वैश्विक उत्सव भी है।

--:20:--

राष्ट्रीय जल सुरक्षा पहल

चर्चा में क्यों?

- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और जल शक्ति मंत्री द्वारा संयुक्त रूप से नई दिल्ली में जल सुरक्षा पर राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ किया।



मुख्य बिन्दु:

- मनरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों पर धनराशि का एक निश्चित हिस्सा अनिवार्य रूप से खर्च किया जाएगा।
- मनरेगा की 65 प्रतिशत धनराशि अति-दोहित और संकटग्रस्त ग्रामीण ब्लॉकों में जल-संबंधी कार्यों के लिए आवंटित की जाएगी, जबकि 40 प्रतिशत धनराशि अर्ध-संकटग्रस्त ग्रामीण ब्लॉकों में जल संरक्षण पर खर्च की जाएगी।

--:21::--

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

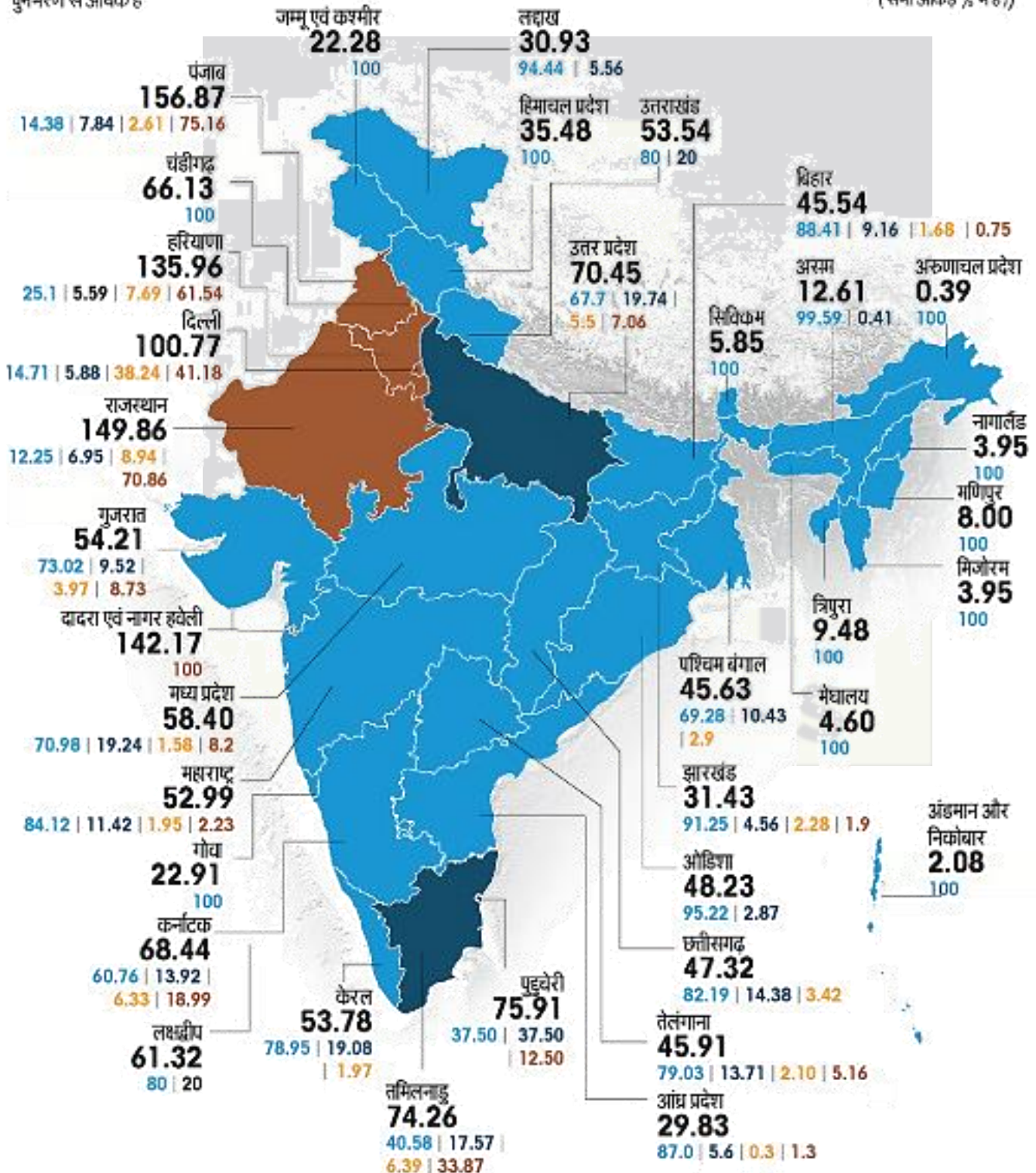
प्रमुख हॉटस्पॉट

पांच राज्य और केंद्र शासित प्रदेश-पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और दादरा नगर हवेली और दमन और दीव-इन स्थानों पर दोहन पुनर्भरण से अधिक है

00 भूजल निष्कर्षण का घरण

आकलन इकाइयां/स्थान जहां भूजल का स्तर

- < 70% (सुरक्षित) ■ > 70% और 90% (अर्ध-गंभीर)
- > 90% और 100% (गंभीर) ■ अति-दोहन (> 100%) (सभी आंकड़े % में हैं)



--:22:--

माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर : उदयपुर (त्रिपुरा)

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा के उदयपुर में हिंदुओं द्वारा पूजे जाने वाले 51 शक्तिपीठों में से एक, पुनर्विकसित माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर का उद्घाटन किया।



मुख्य बिन्दु:

- इस मंदिर का पुनर्निर्माण प्रसाद योजना ('तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्द्धन अभियान'/National Mission on Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Heritage Augmentation Drive- PRASHAD) के तहत किया गया।
- इसे देश के इस हिस्से के सबसे पवित्र हिंदू मंदिरों में से एक माना जाता है। माताबारी के नाम से प्रसिद्ध यह मंदिर एक छोटे से टीले पर स्थित है क्योंकि टीले का आकार कछुए (कूर्म) के कूबड़ जैसा है और इस आकार को कूर्मपृष्ठाकृति कहा जाता है।

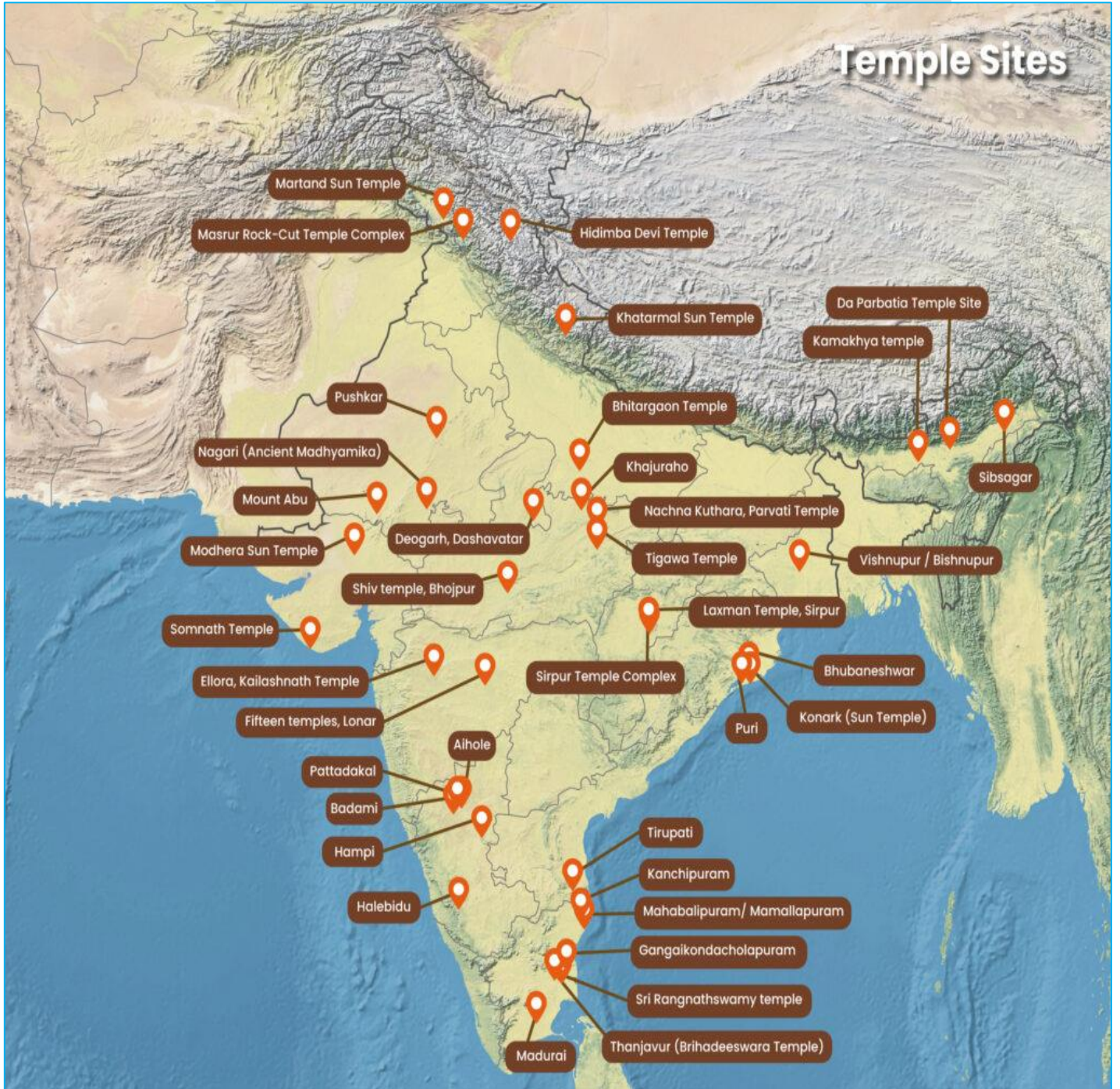
Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



- मुख्य गर्भगृह, एक त्रि-स्तरीय छत और एक शिखर वाला एक बक्सानुमा ढाँचा, जिसका निर्माण त्रिपुरा महाराजा धन्य माणिक्य ने 1501 में करवाया था, बंगाली रत्न शैली में निर्मित है।

भारत के प्रमुख मंदिर :



--:24:--

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (BIRC), 2025

चर्चा में क्यों?

- 30 और 31 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (BIRC) 2025 का आयोजन किया जाएगा।

The logo for BIRC 2025 features the letters 'BIRC' in a large, bold, sans-serif font. The 'B' and 'C' are orange with a green-to-white gradient at the bottom. The 'I' and 'R' are green with a white-to-orange gradient at the top. The year '2025' is written in black on a white rectangular background, positioned between the 'I' and 'R'. The entire logo is set against a light blue background with a faint watermark of the text 'UTKARSH CIVIL SERVICES'.

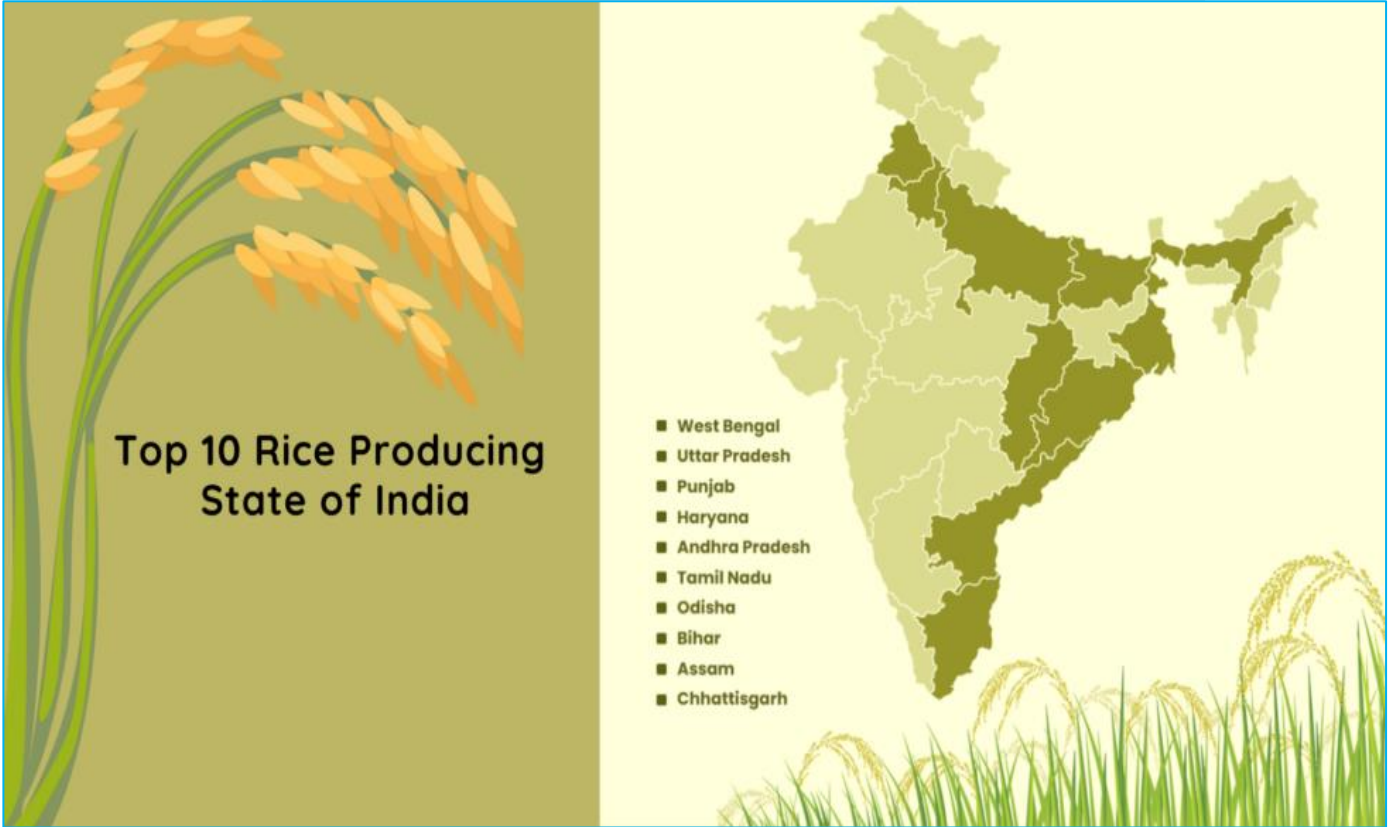
मुख्य बिन्दु:

- यह किसानों, वैश्विक खरीदारों और हितधारकों के साथ विश्व का सबसे बड़ा चावल सम्मेलन है।
- आयोजक :** भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (IREF) कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) द्वारा संयुक्त रूप से। (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक नोडल कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन प्राधिकरण है।)
- उद्देश्य :** चावल मूल्य श्रृंखला में विभिन्न हितधारकों जैसे चावल निर्यातकों, चावल आयातकों, अनुसंधान और विकास को एक साथ, एक मंच पर लाना।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

भारत में चावल उत्पादन :

- भारत अब विश्व स्तर पर चावल का सबसे बड़ा उत्पादक और बासमती चावल सहित चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है।



- पश्चिम बंगाल भारत में सर्वाधिक चावल उत्पादक राज्य है, जो अपनी अनुकूल जलवायु और उपजाऊ मिट्टी के कारण भारत के कुल चावल उत्पादन में 13 से 15 प्रतिशत का योगदान देता है।
- भारत में चावल उगाने वाले प्रमुख राज्यों में पश्चिम बंगाल, पंजाब, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु शामिल हैं। ये सभी राज्य देश के समग्र चावल उत्पादन में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 📌

पहला सॉवरेन मोबिलिटी क्लाउड : UAE

📢 चर्चा में क्यों?

- UAE ने दुबई वर्ल्ड कांग्रेस फॉर सेल्फ-ड्राइविंग ट्रांसपोर्ट में अपना पहला सॉवरेन मोबिलिटी क्लाउड पेश किया है, जो देश की स्वायत्त गतिशीलता रणनीति में एक बड़ा कदम है।

📌 मुख्य बिन्दु:

- कोर42 के सॉवरेन पब्लिक क्लाउड और माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर द्वारा संचालित, यह प्लेटफॉर्म अगली पीढ़ी के परिवहन के लिए एक सुरक्षित डिजिटल बुनियादी ढाँचा स्थापित करता है।
- सॉवरेन मोबिलिटी क्लाउड को स्वायत्त गतिशीलता को गति देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, साथ ही यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी डेटा संयुक्त अरब अमीरात में होस्ट किया जाए और राष्ट्रीय नियमों के तहत नियंत्रित किया जाए।
- यह हाई-डेफिनिशन मैपिंग, टेलीमैटिक्स, फ्लीट संचालन, ट्रैफ़िक प्रबंधन और डिजिटल ट्विन्स को सपोर्ट करेगा, जिससे सरकार, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग के लिए एक विश्वसनीय वातावरण तैयार होगा।
- यह पहल लाइव ट्रैफ़िक प्रबंधन, बेड़े की ट्रैकिंग और स्वचालित वाहनों के एकीकरण को भी सक्षम बनाएगी, साथ ही नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नियामक सैंडबॉक्स और परीक्षण केंद्र भी प्रदान करेगी।



अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **सॉवरेन मोबिलिटी क्लाउड (सॉवरेन क्लाउड) :** एक ऐसा क्लाउड कंप्यूटिंग समाधान है जो किसी विशेष देश या क्षेत्र के कानूनों और डेटा संप्रभुता नियमों का पालन करता है, जिससे डेटा देश की सीमाओं के भीतर ही रहता है और उस पर विदेशी संस्थाओं का नियंत्रण नहीं होता है।
- **क्लाउड अधिनियम :** डेटा के वैध विदेशी उपयोग को स्पष्ट करने वाला अधिनियम या क्लाउड अधिनियम एक अमेरिकी संघीय कानून है जिसे वर्ष 2018 में संग्रहीत संचार अधिनियम (SCA) 1986 में संशोधन के रूप में लागू किया गया था।

5 Factors to Consider When Adopting a Sovereign Cloud



क्लाउड संप्रभुता के लाभ :

1. **तकनीकी समाधान और विशेषज्ञता कंपनियों के पास आंतरिक रूप से उपलब्ध नहीं हो सकती है :** डिजिटल संप्रभुता तकनीकी मोर्चे पर कठिन बदलाव ला सकती है, खासकर यदि कोई संगठन अंतर-संचालनीयता और सुवाह्यता बनाए रखना चाहता हो। एक सुव्यवस्थित संप्रभु क्लाउड नियामक अनुपालन और खुले मानक दोनों प्रदान करता है।

--:28:--

2. **परिचालन संबंधी सर्वोत्तम प्रथाएँ** : एक संप्रभु क्लाउड प्रदाता के पास मज़बूत परिचालन नियंत्रण होंगे, जैसे ग्राहकों के लिए अधिकृत कुंजी पहुँच या अपनी कुंजियाँ लाने की क्षमता, साथ ही प्रशासन, लॉगिंग और तकनीकी सहायता। यह कई संगठनों, जैसे कि खुफ़िया समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है।
3. **व्यवसाय और निरंतरता आश्वासन** : एक शीर्ष स्तरीय प्रदाता द्वारा स्थापित और अनुरक्षित एक संप्रभु क्लाउड, प्रथम श्रेणी के क्लाउड की सभी मापनीयता, व्यवसाय निरंतरता और आपदा रिकवरी, अतिरेक, पोर्टेबिलिटी और प्रदर्शन प्रदान करता है - साथ ही डिजिटल संप्रभुता भी।
4. **आपूर्ति श्रृंखला पर्याप्तता** : एक क्लाउड सेवा प्रदाता जो संप्रभु क्लाउड प्रदान करता है, वह अक्सर एकल ग्राहक संगठन की क्षमता से परे जाकर सर्वर, नेटवर्क, चिप्स, केबलिंग, तथा चौबीसों घंटे उपलब्धता के लिए आवश्यक ऊर्जा, सुविधाएं, स्टाफिंग और प्रशिक्षण उपलब्ध करा सकता है।
5. **भू-राजनीतिक लचीलापन** : वैश्विक पहुंच वाला एक संप्रभु क्लाउड सेवा प्रदाता संगठनों को सैन्य संघर्षों, आर्थिक कठिनाइयों, जलवायु परिवर्तन और अन्य बड़े पैमाने की आपदाओं से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है, तथा स्थिरता में सहायता कर सकता है।

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना : बिहार

चर्चा में क्यों?

- 26 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया।



JEEVIKA

An Initiative of Government of Bihar for Poverty Alleviation
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar



Mukhyamantri Mahila Rojgar Yojana

बिहार की महिलाओं को
रोजगार शुरू करने हेतु

₹2 लाख तक सहायता



मुख्य बिन्दु:

- कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने बिहार की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 10-10 हजार रुपये, यानी कुल 7,500 करोड़ रुपये हस्तांतरित की।
- योजना का उद्देश्य : महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्व-रोजगार एवं आजीविका के अवसरों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना।

--:30:--

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



- **वित्तीय सहायता :** इस योजना के तहत, प्रत्येक लाभार्थी को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 10,000 रुपये का प्रारंभिक अनुदान प्रदान किया जाएगा, और बाद के चरणों में 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की संभावना है।
- इस सहायता राशि का उपयोग लाभार्थी अपनी पसंद के क्षेत्रों में कर सकती हैं, इसमें कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प, सिलाई-बुनाई और अन्य लघु-स्तरीय उद्यम शामिल हैं।

भारत सरकार की योजनाएँ :

योजना का नाम	लॉन्च	मंत्रालय
अग्निवीर योजना या अग्निपथ रक्षा नीति सुधार	14 जून, 2022	रक्षा मंत्रालय
अंत्योदय अन्न योजना	25 दिसंबर, 2000	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
अटल भूजल योजना	25 दिसंबर, 2019	जल शक्ति मंत्रालय
आयुष्मान भारत योजना	23 सितंबर, 2018	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना	25 सितंबर, 2014	ग्रामीण विकास मंत्रालय
डिजिटल इंडिया	1 जुलाई, 2015	इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वित्त मंत्रालय
मिशन कोविड सुरक्षा	12 नवंबर, 2020	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
मिशन कर्मयोगी	2 सितंबर, 2020	कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
मिशन सागर	मई, 2020	विदेश मंत्रालय
निर्यात ऋण विकास योजना योजना (निर्विक)	1 फ़रवरी, 2020	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना	23 जुलाई, 2010	ग्रामीण विकास मंत्रालय

--:31:--

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



पीएम अन्नदाता आय संरक्षण अभियान	सितंबर, 2018	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
प्रधानमंत्री आवास योजना - (ग्रामीण)	1 अप्रैल, 2016	ग्रामीण विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना	25 दिसंबर, 2000	ग्रामीण विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री आवास योजना - (शहरी)	25 जून, 2015	आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	18 फरवरी, 2016	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
प्रधानमंत्री नवोन्मेषी शिक्षण कार्यक्रम (ध्रुव)	10 अक्टूबर, 2019	शिक्षा मंत्रालय
प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना	16 जुलाई, 2015	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना	1 जुलाई, 2015	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय
प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना	1 सितंबर, 2017	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना	10 सितंबर, 2020	मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना	8 अप्रैल, 2015	वित्त मंत्रालय
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना	9 मई, 2015	वित्त मंत्रालय
पीएम किसान सम्मान निधि योजना	24 फरवरी, 2019	वित्त मंत्रालय
प्रधानमंत्री जन धन योजना	28 अगस्त, 2014	वित्त मंत्रालय
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	9 मई, 2015	वित्त मंत्रालय

--:32:--

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र (एमएसएससी)	27 जून, 2023	वित्त मंत्रालय
प्रधानमंत्री वय वंदना योजना	4 मई, 2017	वित्त मंत्रालय
अटल पेंशन योजना	1 मई, 2015	वित्त मंत्रालय
पीएम पोषण शक्ति निर्माण अभियान	8 मार्च, 2018	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना	1 जून, 2020	आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय
प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना	मार्च, 2006	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना	1 मई, 2016	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
सहकार मित्र योजना	11 जून, 2020	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
सांसद आदर्श ग्राम योजना	11 अक्टूबर, 2014	ग्रामीण विकास मंत्रालय
किशोरियों के लिए योजना	1 अप्रैल, 2011	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
सर्ब-पावर योजना	29 अक्टूबर, 2020	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
स्मार्ट सिटी मिशन	25 जून, 2015	आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय
स्टैंड-अप इंडिया	5 अप्रैल, 2016	वित्त मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
सुकन्या समृद्धि योजना	22 जनवरी, 2015	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
किफायती परिवहन के लिए सतत् विकल्प (SATAT) योजना	1 अक्टूबर, 2018	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
स्वामित्व योजना	24 अप्रैल, 2020	पंचायती राज मंत्रालय
स्वच्छ भारत अभियान	2 अक्टूबर, 2014	पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय

--:33:--

भारत की पहली राष्ट्रीय भूतापीय ऊर्जा नीति

चर्चा में क्यों?

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) ने राष्ट्रीय भू-तापीय ऊर्जा नीति जारी की है, जो भारत के पहले संरचित भू-तापीय रोडमैप की शुरुआत है। यह नीति सीधे भारत के नेट ज़ीरो 2070 लक्ष्य और स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार से जुड़ी है।

मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत : 17 सितंबर, 2025**
- **नीति का लक्ष्य :** भारत के शुद्ध शून्य और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के साथ भूतापीय ऊर्जा का एकीकरण करना। इसमें बिजली उत्पादन, अंतरिक्ष तापन और शीतलन, कृषि, पर्यटन और विलवणीकरण सहित विविध अनुप्रयोगों की संभावनाएँ हैं।

प्रावधान :

1. **नियामक :** यह नीति MNRE को नियामक, निगरानी और क्रियान्वयन निकाय के रूप में स्थापित करती है। इसमें मंत्रालयों के मध्य सहयोग, वैश्विक भागीदारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहन दिया गया है।
2. **ढाँचे में हाइब्रिड ऊर्जा मॉडल (जैसे सौर + भू-तापीय) और छोड़े गए तेल कुओं को भू-तापीय निष्कर्षण के लिए पुनः उपयोग करने पर भी बल दिया गया है।**
3. **पहचाने गए भू-तापीय प्रांत :** भारत ने 10 भू-तापीय प्रांतों की पहचान की है जिनमें उच्च क्षमता है। इनमें हिमालय, कंबे बेसिन, अरावली श्रृंखला, महानदी बेसिन और गोदावरी बेसिन शामिल हैं। अन्य संभावित क्षेत्र हैं — सोहाना, पश्चिमी तट, सोन-नर्मदा-ताप्ती और दक्षिण भारत क्रेटॉन।

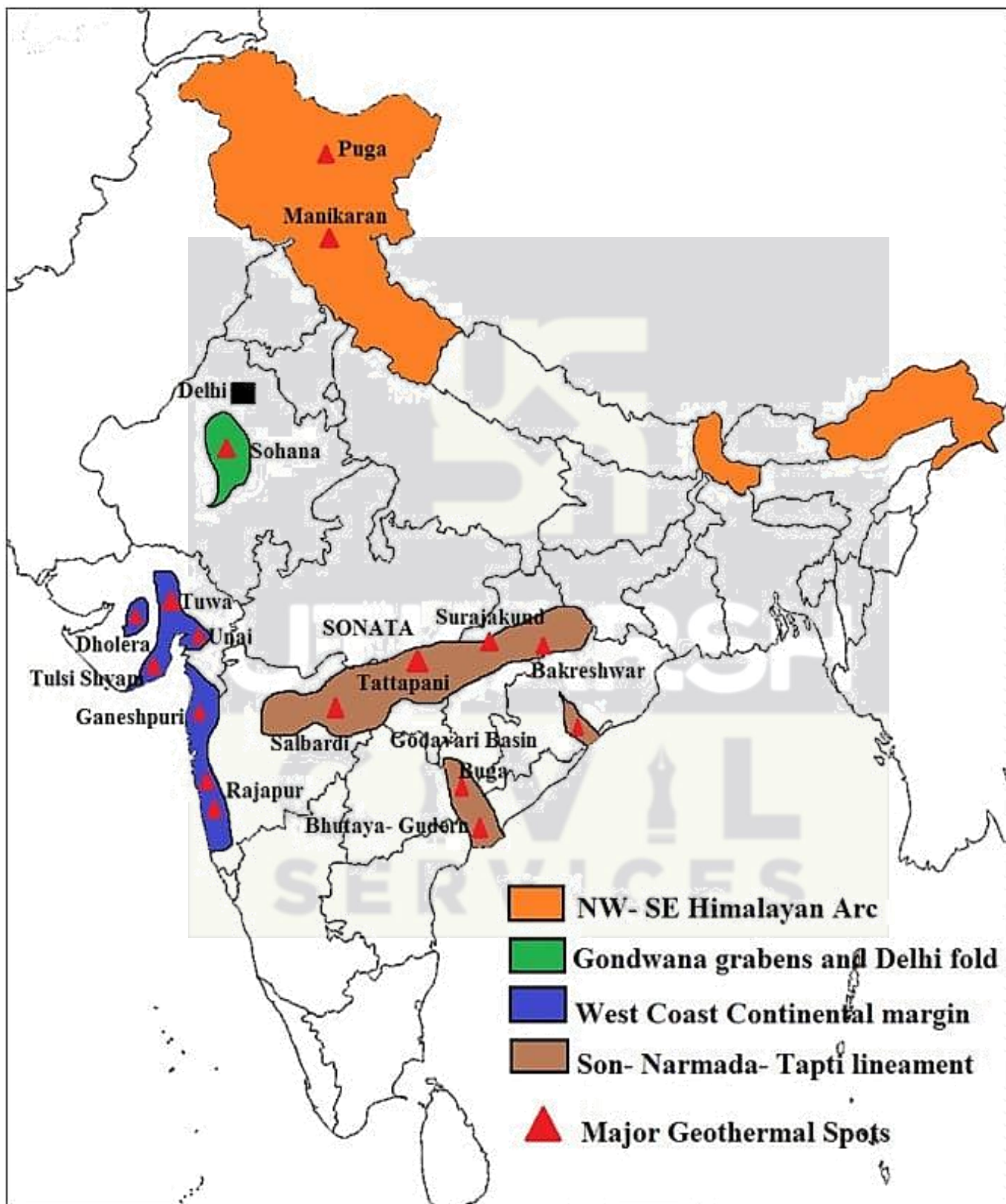
4. **प्रौद्योगिकी और नवाचार** : नीति भू-तापीय तकनीकों में अनुसंधान एवं विकास (R&D), पायलट प्रोजेक्ट्स और स्वदेशी नवाचार के लिए प्रोत्साहनों को प्राथमिकता देती है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **भू-तापीय ऊर्जा** : यह पृथ्वी की आंतरिक गर्मी से प्राप्त होती है और इसे सौर या पवन ऊर्जा की तरह अस्थिर नहीं माना जाता। यह 24×7 उपलब्ध नवीकरणीय स्रोत है। इसका उपयोग बिजली उत्पादन, हीटिंग और कूलिंग सिस्टम, ग्रीनहाउस कृषि और खारे पानी को मीठा बनाने (डिसैलीनेशन) में किया जा सकता है।
- पृथ्वी की पपड़ी के नीचे गर्म और पिघली हुई चट्टान की एक परत होती है, जिसे मैग्मा कहा जाता है जो यूरेनियम और पोटेशियम जैसे प्राकृतिक रूप से रेडियोधर्मी पदार्थों के क्षय के कारण लगातार गरम होती रहती हैं।
- **लक्ष्य** : वर्ष 2030 तक 500 GW गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता प्राप्त करना।
- **वर्ष 2024 तक भारत की नवीकरणीय क्षमता** : 180 GW से अधिक तथा भारत विश्व के शीर्ष पाँच नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों में शामिल हुआ।
- **भारत की अनुमानित भू-तापीय क्षमता** : 10 गीगावॉट (सर्वाधिक : अमेरिका, इंडोनेशिया और फिलीपींस)।
- **भारत में भूतापीय ऊर्जा के प्रमुख स्थल**: पुगा भूतापीय क्षेत्र, छुमाथांग भूतापीय क्षेत्र, मणिकरण भू-तापीय क्षेत्र, ब्यास घाटी, सतलुज और स्पीति घाटी, तपोबन भूतापीय क्षेत्र, चमोली, उत्तराखंड और अलकनंदा घाटी, तातापानी भूतापीय क्षेत्र, सालबर्डी क्षेत्र, अन्होनी-समोनी क्षेत्र, अनकेश्वर, गोदावरी ग्रैबेन, अंडमान-निकोबार क्षेत्र, दामोदर घाटी घाटियाँ, पश्चिमी थर्मल प्रांत, कैम्बे भूतापीय क्षेत्र, कोंकण भू-तापीय प्रांत, सोहना थर्मल क्षेत्र, तुवा और छाबसर भू-तापीय क्षेत्र (गुजरात) और लसुंद्रा भूतापीय प्रांत आदि।

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025

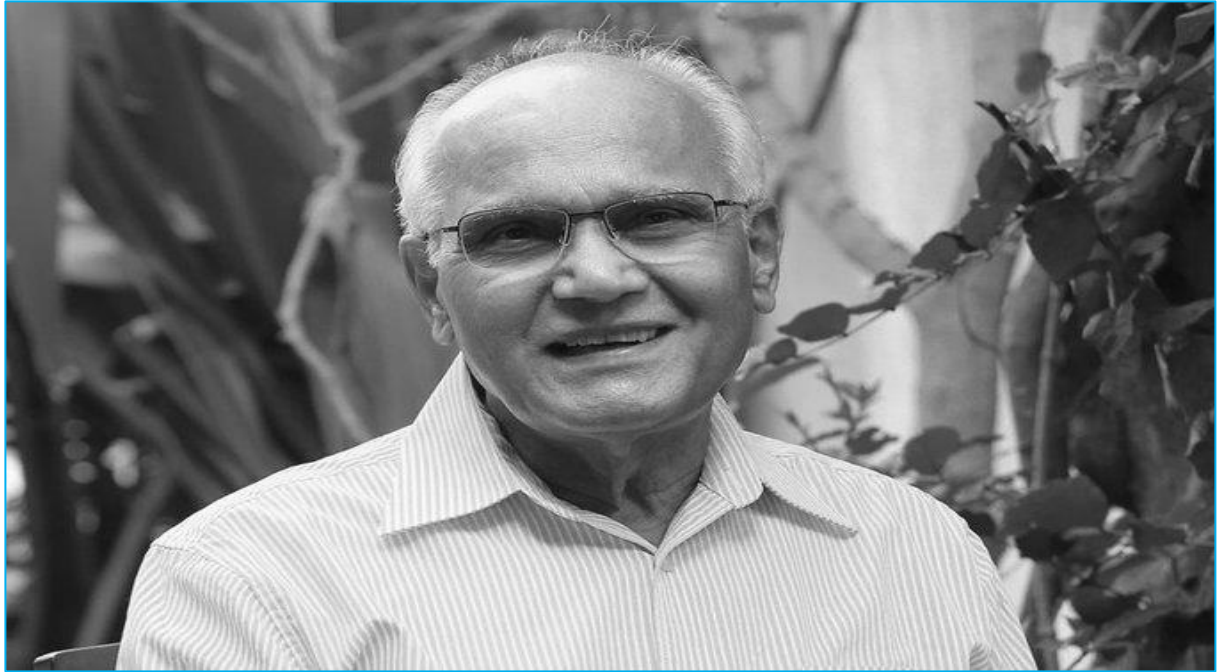


व्यक्तित्व

कन्नड़ लेखक डॉ. एस.एल. भैरप्पा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रसिद्ध कन्नड़ लेखक डॉ. एसएल भैरप्पा का बेंगलुरु में निधन हो गया।



मुख्य बिन्दु:

- भैरप्पा ने 25 से अधिक उपन्यास लिखे, जिन्होंने अपने विषय और विचारोत्तेजक कथाओं के कारण सार्वजनिक बहस और बौद्धिक चर्चा को जन्म दिया। उनके कुछ सबसे प्रसिद्ध उपन्यासों में वंशवृक्ष, दातु, पर्व, गृहभंग, आवरण, नई नेरालु और सार्थ शामिल हैं।
- वर्ष 2023 में पद्म भूषण और वर्ष 2010 में सरस्वती सम्मान सहित सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हैं, तथा वर्ष 2015 में साहित्य अकादमी फेलोशिप से भी सम्मानित किया गया था।

पुरस्कार

राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार, 2025

चर्चा में क्यों?

- 26 सितंबर, 2025 को राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार-2024 प्रदान किए।



मुख्य बिन्दु:

- स्थापना :** भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा 1966 में स्थापित राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार (जिसे 2009 तक राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार के रूप में जाना जाता था) भूविज्ञान के क्षेत्र में देश के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है।
- उद्देश्य :** भूविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे खनिज खोज एवं अन्वेषण, खनन प्रौद्योगिकी एवं खनिज संवर्धन, मौलिक/अनुप्रयुक्त भूविज्ञान, में असाधारण उपलब्धियों और उत्कृष्ट योगदान के लिए व्यक्तियों और टीमों को सम्मानित करना।

--:38:--

Daily Current Affairs

Date : 27 September, 2025



- **पात्रता:** भूविज्ञान के किसी भी क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाला भारत का कोई भी नागरिक इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं।
खान मंत्रालय निम्नलिखित तीन श्रेणियों में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार प्रदान करता है:
- इन तीन पुरस्कार श्रेणियों के अंतर्गत 12 पुरस्कारों को अंतिम रूप दिया गया है, जिनमें 9 व्यक्तिगत और 3 टीम पुरस्कार शामिल हैं।
- **राष्ट्रीय युवा भूवैज्ञानिक पुरस्कार :** सुसोभन नियोगी ; वरिष्ठ भूविज्ञानी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
- **आजीवन उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार :** श्याम सुंदर राय

राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार :

व्यक्ति पुरस्कार : जय कृष्ण पाण्डे, डॉ. रणजीत कुमार सिंह, डॉ. वेदुला वेंकट सुब्रह्मण्य श्रीनिवास सरमा, डॉ. मेकला राम मोहन, प्रो. गुलाम जीलानी, प्रो. संजीत कुमार पाल और प्रो. मुकट लाल शर्मा।

टीम पुरस्कार :

1. हरमन महंत, वरिष्ठ भूविज्ञानी,
2. उत्पोल कुमार दास, वरिष्ठ भूविज्ञानी,
3. श्याम कुमार संगमरेड्डी, वरिष्ठ भूविज्ञानी, और
4. साई कुमार समला, भूविज्ञानी

टीम पुरस्कार :

1. नवजीत सिंह नैय्यर, निदेशक,
2. अमित कुमार, वरिष्ठ भूविज्ञानी,
3. तृप्ति बाबा, वरिष्ठ भूविज्ञानी, और
4. डॉ. संदीप कुमार, भूविज्ञानी

टीम पुरस्कार :

1. श्रीमती श्रद्धांजलि सुभदर्शिनी, अधीक्षण भूविज्ञानी,
2. श्री सुप्रिया चक्रवर्ती, वरिष्ठ भूविज्ञानी, और
3. श्री जयदीप मुखर्जी, निदेशक